जामिया मिल्लिया इस्लामिया
जनसंपर्क एवं मीडिया समन्वयक कार्यालय
प्रेस विज्ञप्ति 10 अगस्त 2020

जामिया के डेंटल सर्जन ने इंसान के निचले जबड़े में एक नयी खोज की

मानव शरीर की जटिलताओं को सुलझाने की दुनिया भर में चल रही कोशिशों के बीच, जामिया मिल्लिया इस्लामिया की फैकल्टी ऑफ डेंटिस्ट्री (एफओडी) के ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल सर्जन ने निचले जबड़े के बारे में एक नई खोज की है। इस खोज से जबड़े के आॅपरेशन करने वाले दुनिया भर के सर्जनों को अतिरिक्त एहतियात बरतने का मौका मिलेगा और वहां अक्सर लोकल एनेस्थीश्या के फेल होने के रहस्य की गुत्थी भी सुलझेगी।

फैकल्टी ऑफ डेंटिस्ट्री के ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल सर्जरी विभाग के प्रोफेसर डॉ इमरान खान की यह खोज, हाल ही में अमेरिका के प्रतिष्ठित साइंटिफिक जर्नल "ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल सर्जरी केस" सितंबर-2020 संस्करण में छपी है।

डा इमरान की इस खोज ने मानव के निचले जबड़े की एनाटोमि के एक नए रहस्य का राज़ खोला है। इंसान के निचले जबड़े को चिकित्सीय शब्दावली में फोरामेन कहा जाता है। फोरामेन में इस नयी खोज को नॉवेल एब्रेंट मैंडिबुलर एंगल फोरामेन (एनएएमएएफ) नाम दिया गया है। इससे पहले निचले जबड़े के इस क्षेत्र में किसी ने फोरामेन नहीं देखा था। डा इमरान ने एक आॅपरेशन के दौरान इसे खोजा।

इस प्रकाशित नयी रिपोर्ट में डॉ देबोराह सिबिल (प्रोफेसर, फैकल्टी ऑफ डेंटिस्ट्री, जेएमआई), डॉ मनदीप कौर (प्रोफेसर और ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल रेडियोलॉजिस्ट, फैकल्टी ऑफ डेंटिस्ट्री, जेएमआई), डॉ निकहत मंसूर (प्रोफेसर, बायोसाइंसेज विभाग, जामिया), डॉ इफरा इफ्तिखार (मैक्सिलोफेशियल सर्जन, नई दिल्ली), डॉ रिजवान खान (हड्डी रोग विशेषज्ञ, जामिया हमदर्द) और डॉ शुभांगी प्रेमचंदानी (इंटर्न, फैकल्टी ऑफ डेंटिस्ट्री, जेएमआई) शामिल हैं।

जामिया की फैकल्टी ऑफ डेंटिस्ट्री के डीन, प्रोफेसर (डॉ) संजय सिंह, जो खुद भी एक अनुभवी अनुभवी ओरल और मैक्सिलोफेशियल सर्जन हैं, ने इस अनूठी खोज पर खुशी ज़ाहिर की और शोध टीम को बधाई दी।

प्रोफेसर संजय सिंह ने कहा कि यह नयी खोज, दुनिया भर के सर्जनों को निचले जबड़े पर काम करते समय अत्यधिक सावधानी बरतने के लिए सतर्क करेंगी।

जामिया की फैकल्टी ऑफ डेंटिस्ट्री को एमएचआरडी के एनआईआरएफ-2020 में 19 वें बेस्ट डेंटल कॉलेज का दर्जा दिया गया है।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया समन्वयक